



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 24]
No. 24]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 22, 1987/आषाढ़ 31, 1909
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 22, 1987/ASADHA 31, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1987

अधिसूचना संख्या : 12/87

सं. डी. एन. टी. 53/87—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 43 (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक बोट ने, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के पूर्वानुमोदन से भारतीय औद्योगिक वित्त निगम कर्मचारी शक्ति निधि विनियमों के विनियम संख्या 2.4.11 (1) (क) (ii) (ख), 14 (i) (द्वितीय परन्तुक), 14 (2) (क) (i) (2), 14 (2) (ख), 14 (2) (ड) (iii), 14 (2) (ज), 14 (2) (अ), 14 (4) (घ), 14क (2) और 14ग) में संशोधन किए हैं और उक्त संशोधित विनियमों का पाठ निम्नानुसार है, अर्थात्—

विनियम संख्या : 2—प्रबन्ध

यह निधि निगम के द्वारा रखी जाएगी और इसका प्रबन्ध प्रशासकों की एक समिति, जिसमें अध्यक्ष बोट, द्वारा नामित 3 अन्य निदेशक, एक कार्यपालक निदेशक/सहायक और 3 व्यक्तियों, जिनमें से एक अधिकारियों, दूसरा लिपिकीय स्टाफ और तीसरा अधीनस्थ स्टाफ के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करेगा, द्वारा किया जाएगा; इन सभी चारों का अध्यक्ष द्वारा नामांकन किया जाएगा। विभिन्न विनियमों के अधीन उक्त प्रदत्त की गई विशिष्ट शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने बिना निधि के प्रशासक इन विनियमों के अधीन सभी शक्तियों का प्रयोग करने के हकदार होंगे और इन विनियमों के अधीन निधि की ओर से सभी कार्य तथा कृत्य कर सकेंगे।

666 GI/87

विनियम संख्या : 4—लेखों का विवरण निधि के लेखे प्रत्येक वर्ष 30 जून की स्थिति के अनुसार तैयार किए जायेंगे और उक्त तारीख के अनुसार प्रत्येक वर्ष लेखों की लेखा परीक्षा सारणी 31 अक्टूबर अथवा प्रशासकों द्वारा अनुसूच्य ऐसी बाद की तारीख तक प्रशासकों की बैठक में प्रस्तुत की जाएगी और इस बैठक में यथा सम्भव तत्काल बाद ऐसी सारणी की एक प्रति प्रत्येक कार्यालय तथा शाखा के अभिशाखाओं को उपलब्ध कराई जाएगी।

विनियम संख्या : 11(1) (क) (ii) (ख)—निधि में उधार स्मल में सफलतापूर्वक 10 वर्ष अध्ययन करने के पश्चात् किसी मास्यता प्राप्त संस्थान में डाक्टरी, इंजीनियरिंग, तकनीकी, कृषि अथवा विशिष्ट व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए, जिसमें डिग्री/डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट प्राप्त हो।

विनियम संख्या : 14(1) (द्वितीय परन्तुक) परन्तु यह भी कि अभिशाखा अथवा अन्य कोई व्यक्ति जो विनियम 5 के खण्ड (iii) के उप-खण्ड (ख) के अधीन अभिदान करता है, यदि वह उप-विनियम 2(अ) के खण्ड (ii), (iii) और (iv) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए लिया गया है तो 15 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद, या धन किसी अन्य प्रयोजन के लिए लिया गया है तो बीस वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद किसी समय और सेवा निवृत्ति से 10 वर्ष तुरन्त पहले अथवा उसके कार्यकाल की विशिष्ट अवधि के बाद, जैसा भी मामला हो, निगम के स्वविवेक से, विनियम 14क में उल्लिखित राशि तक, उप-विनियम (2), (3) और (4) में वर्णित उद्देश्यों जनों, के अनुसार निधि में से धन निकाल सकता है।

विनियम संख्या : 14(2)(क)(i)(2) स्कूल में सफलतापूर्वक 10 वर्ष अध्ययन करने के पश्चात् किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से डाक्टरी, इंजीनियरिंग, तकनीकी, वृत्त अथवा विशिष्ट व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए, जिससे डिग्री/डिप्लोमा अथवा सर्टिफिकेट प्राप्त हो।

विनियम संख्या : 14(2)(ख) खण्ड (ग) से (अ) की शर्तों के अनुसार उप-विनियम (1) के दूसरे परन्तुक के अधीन भी निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए धन निकाला जा सकता है, अर्थात् :—

- (i) मकान अथवा मकान बनाने के लिए स्थान खरीदना;
- (ii) अभिदाता या अभिदाता की पत्नी/पति या दोनों के संयुक्त नाम, जैसा भी मामला हो, के प्लॉट पर मकान बनाना वशर्ते पत्नी/पति इन विनियमों के अधीन नामित है और इस प्रकार का नामांकन धन निकालने के लिए प्रस्तुत किए गए आवेदन की तारीख को प्रवृत्त है;
- (iii) ऐसी खरीद अथवा निर्माण के लिए ऋण की पुनःआयगी (इसमें ऋण मकान अथवा जमीन अथवा निर्मित मकान पर प्रतिभूत होना चाहिए);
- (iv) अभिदाता के पास पहले से अथवा उपाजित मकान का पुनः-निर्माण अथवा विस्तार करने, या पतुक मकान जिसमें, अभिदाता पर लागू स्वीय विधि के अधीन अभिदाता का हित है;
- (v) मकान या जमीन अर्जित करने के सम्बन्ध में स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रीकरण प्रभारी का भुगतान। परन्तुक एक से अधिक मकान या जमीन खरीदने के लिए, विनियम 14 के उप-विनियम (4)(घ) में दिए गए मामले के सिवाय, धन नहीं निकालने दिया जाएगा।

विनियम संख्या : 14(2)(ड)(iii) :—अभिदाता ने मकान अथवा स्थान पर उचित हक प्राप्त कर लिया है अथवा कर लेगा; या अभिदाता की पत्नी/पति या दोनों के संयुक्त नाम से उपलब्ध स्थान पर जहां निर्माण करना है, उचित हक प्राप्त कर लिया है अथवा कर लेंगे।

विनियम संख्या : 14(2)(ज) :—जहां यह धन निर्माण के लिए लिया जाए, तो राशि, भवन निर्माण की प्रगति के आधार पर ऐसे अरसे अथवा अरसों पर जो निगम निश्चित करे, किस्तों में दी जाएगी।

विनियम संख्या : 14(2)(झ) :—अभिदाता निगम की पूर्ण स्वीकृति के बिना स्थान अथवा मकान का परिवर्तन, गिरवी अथवा अन्यथा अन्य संक्रांत नहीं करेगा, अवहेलना किए जाने पर अभिदाता की सारी राशि एक ही किस्त में लौटानी होगी।

विनियम संख्या : 14(4)(घ) :—इन विनियमों के अधीन निकाले गए धन की सहायता से, अभिदाता द्वारा अर्जित किए गए मकान में उसके द्वारा हस्तान्तरण, समनुदेशन या किसी अन्य हित के सृजन किए जाने के मामले में, अभिदाता को ऐसे हस्तान्तरण, समनुदेशन या हित सृजन करने, जैसा भी मामला हो, के तत्काल बाद उसके द्वारा निकाला गया सारा धन वापिस लौटाना होगा।

परन्तुक जहां ऐसा हस्तान्तरण, समनुदेशन या हित सृजन निगम की अनुमति से किया गया है और, अभिदाता ने उसके द्वारा लिया गया धन निगम को लौटा दिया है, तो वह निधि से दोबारा धन निकालने का पात्र होगा, वशर्ते यह इन विनियमों के अन्य प्रावधानों के अनुसार है।

विनियम संख्या : 14क (2)

धन निकालने की सीमाएं तथसु शर्तें :—विनियम 14 के उपविनियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन (सिवाय उस खण्ड के उप खण्ड (iv), यह राशि अभिदाता के अभिदान तथा उस पर ब्याज से ज्यादा नहीं होगी।

“परन्तुक यदि पति और पत्नी दोनों निगम के कर्मचारी हैं और निधि में अभिदान करते हैं और एक दूसरे के नामित हैं, तो उसमें से किसी के भी नाम पर एक मकान अर्जित करने के लिए अधिम और दोनों द्वारा निकाला गया धन उस राशि से अधिक नहीं होगा जो समय-समय पर निगम द्वारा विनिर्दिष्ट एक एकल अभिदाता को उपलब्ध होता है।”

विनियम संख्या : 14 ग

मंजूरी प्राधिकारी तथा शक्तियों का प्रत्यायोजन :—विनियम 14 ग के अन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण जोड़ दिया जाए।

इस विनियम के प्रयोजन के लिए “महाप्रबन्धक” में उप महाप्रबन्धक और प्रबन्धक निहित है।

आर. विश्वनाथन, कार्यालयक निदेशक

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

New Delhi, the 8th July, 1987

NOTIFICATION No. 12/87

No. Estt./53/87 :—In exercise of the powers conferred by Section 43 (1) of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India have, with the prior approval of the Industrial Development Bank of India, made amendments to Regulations Nos. 2,4,11 (1) (a) (ii) (b), 14 (1) (Second Proviso), 14 (2) (a) (i) (2), 14 (2) (b), 14 (2) (e) (iii), 14 (2) (h), 14 (2) (i), 14 (4) (d) 14A (2) and 14 (c) of the Industrial Finance Corporation of India Employees' Provident Fund Regulations and the text of the said amended Regulations will be as follows, namely :—

2. Administration.—The Fund shall be held by the Corporation and shall be administered by a committee of Administrators consisting of the Chairman, three other Directors nominated by the Board, one Executive Director/General Manager and 3 persons one of whom shall represent the officers, the second the clerical and the third the staff in the sub-ordinate service, all the four to be nominated by the Chairman. Without prejudice to the specific powers conferred on them under the various Regulations, the Administrators of the Fund shall be entitled to exercise all powers and to do all acts and things on behalf of the Fund under these Regulations.

4. Statement of Accounts.—The Accounts of the Fund shall be made up yearly as at the 30th June and an audited statement of the Accounts as at that date will be submitted to a meeting of the Administrators by 31st October or such later date as may be permitted by the Administrators in every year and a copy of such statement shall be made available to the subscribers at each office and branch as soon as may be possible after such meeting.

11. Borrowing from the Fund—

(1) (a) (ii) (b) For any medical, engineering, technical, professional or specialised, vocational course after the successful completion of 10 years study in school conducted by any recognised institution and leading to a degree|diploma or certificate.

14. Payment of amount standing to credit of subscriber—

(1) (second proviso)—Provided also that subscriber, including any person permitted to subscribe to the Fund under sub-clause (b) of clause (iii) of Regulation 5 may at any time after completion of 15 years service if the withdrawal is for the purpose specified in sub-clause (ii), (iii) and (iv) of sub-Regulation 2(b) or after completion of 20 years of service, if the withdrawal is for any other purposes and during 10 years immediately preceding the date of his retirement or the date of expiry of his specified tenure of office as the case may be, be permitted by the Corporation at their discretion to withdraw, for the purposes and subject to the provisions contained in sub-Regulations (2), (3) and (4) from the sums standing to his credit in the Fund upto, such amount as is specified in Regulation 14A.

(2) (a) (i) (2) For any medical, engineering, technical, professional or specialised, vocational course after the successful completion of 10 years study in school conducted by any recognised institution and leading to a degree|diploma or certificate.

(b) Subject to the provisions of clause (c) to (j), withdrawals under the second proviso to sub-Regulation (1) may also be permitted for the following purposes namely :

- (i) Purchase of a house or a site for a house ;
- (ii) Building a house on a plot of land belonging to the subscriber or the subscriber's spouse or both of them jointly, as the case may be, provided such spouse is a nominee under these Regulations and such nomination subsists on the date of application for withdrawal.
- (iii) Repayment of a loan taken for such purchase or building (including such a loan secured on the house or site purchased or house built) ;
- (iv) Re-constructing or making additions or alterations to a house already owned or acquired by the subscriber, or an ancestral house in which the subscriber has an interest under the personal law applicable to the subscriber.

- (v) Payment of stamp duty and registration charges in connection with acquisition of a house or a site.

Provided that withdrawals shall not be granted for acquisition of more than one house or site except in a case, covered

by sub-Regulation (4) (d) of Regulation 14.

(c) (iii) That the subscriber has obtained or will obtain a good title to the site or the house, or where the construction is to be put up on a site belonging to the subscriber's spouse or both of them jointly has|have obtained or will obtain a good title to the site or the house; and

(h) Where the withdrawal is for the purpose of building a house, the amount permitted to be withdrawn may be paid out in such number of instalments and at such time or times as the Corporation may determine, having regard to the progress made in the building.

(i) The subscriber shall not without the previous written permission of the Corporation transfer, mortgage or otherwise alienate the site or house; in default, the subscriber shall be liable to refund in one instalment the entire amount withdrawn. (4) (d) In the event of a subscriber transferring, assigning or creating any interest whatsoever, in the house acquired by him with the help of a withdrawal under these Regulations, the subscriber shall refund to the Corporation, the entire amount withdrawn by him forthwith on such transfer, assignment or creation of interest, as the case may be.

Provided where such transfer, assignment or creation of interest is with the permission of the Corporation and, the subscriber has refunded the Corporation the amount withdrawn by him, he shall be eligible for a fresh withdrawal from the Fund, subject to the other provisions of these Regulations.

14-A. Limits and conditions as to withdrawal

(2) Any sum withdrawn by a subscriber under clause (b) of sub-Regulation (2) of Regulation 14 [except sub-clause (iv) of that clause] shall not exceed his own subscriptions and the interest thereon.

“PROVIDED that in a case where both husband and wife are employees of the Corporation subscribing to the fund and are each others nominees, the aggregate of the advance and withdrawal that can be availed of by both of them for the purpose of acquiring one house in the name of either shall not exceed such amount that may be specified by the Corporation from time to time as available to a single subscriber”.

14C. Sanctioning authority and delegation of powers :

The following Explanation be added at the end of Regulation 14C :

Explanation : For the purpose of this Regulation “General Manager” includes a Deputy General Manager and a Manager.

R. VISWANATHAN, Executive Director.

